वैश्विक संस्थाओं में सुधार जरूरी : जयशंकर

- एशिया-अफ्रीका प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर भारत का जोर
- जलवायु वित्त और विकास बैंकों में बदलाव की मांग

नई दिल्ली, 15 मई. भारत ने वैश्विक शासन संस्थाओं में तत्काल सुधारों की पुरजोर मांग करते हुए कहा है कि मौजूदा बहुपक्षीय व्यवस्था मौजूदा भू-राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती.

विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने शुक्रवार को यहां ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो दिन की बैठक के दूसरे और अंतिम दिन वैश्विक शासन और बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार विषय पर खुले सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि ये सुधार विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार की जोरदार वकालत की और कहा कि एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व अब भी अपर्याप्त है. भारत ने सदस्य देशों से संयुक्त राष्ट्र सुधारों पर चरणबद्ध तरीके से वार्ता शुरू करने का भी आग्रह किया और अंतर-सरकारी वार्ता प्रक्रिया तथा ब्रिक्स जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन में हुई प्रगति का उल्लेख किया. आर्थिक चुनौतियों का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचे में सुधार की मांग की, जिसमें अधिक मजबूत और जवाबदेह बहुपक्षीय विकास बैंकों तथा विकास और जलवायु वित्त तक आसान पहुंच पर जोर दिया गया.

> भारत ने वैश्विक व्यापार प्रणाली में सुधार का भी समर्थन किया और गैर-बाजार प्रथाओं तथा आपूर्ति श्रृंखला के केंद्रीकरण पर चिंता जताते हुए विश्व व्यापार संगठन में नियम-आधारित व्यवस्था को आवश्यक बताया।उन्होंने कहा कि सुधार प्रक्रिया के अंतर्गत बहुपक्षवाद लोकतांत्रिक, समावेशी और संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए. उन्होंने कहा कि सहयोग, संवाद और सुधार अधिक न्यायसंगत और प्रतिनिधिक वैश्विक व्यवस्था के निर्माण के लिए आवश्यक है.

ईंधन बचत के उद्देश्य से सप्ताह में दो दिन ऑनलाइन सुनवाई

नई दिल्ली, 15 मई. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनता से ईंधन बचाने की अपील के बाद उच्चतम न्यायालय ने सोमवार एवं शुक्रवार को केवल वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई करने का निर्णय लिया है।नयी व्यवस्था के अनुसार, सोमवार और शुक्रवार को सभी सुनवाइयां केवल ऑनलाइन होंगी. मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को वकीलों और वादियों के पास व्यक्तिगत रूप से या आभासी रूप से उपस्थित होने का विकल्प होगा.

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि ईंधन के इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए, न्यायाधीशों ने आपस में कार-पूलिंग व्यवस्था को बढ़ावा देने का 'सर्वसम्मति से संकल्प' लिया है.

हीटवेव की चपेट में देश के कई राज्य

- इस साल मानसून में 6% कम बारिश का अनुमान

नई दिल्ली, 15 मई. उधर का देश का आधे से ज्यादा हिस्सा हीटवेव की चपेट में है. महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में गुरुवार को तापमान 40एष्ट के पार दर्ज किया गया. महाराष्ट्र का अकोला 45.9एष्ट के साथ देश में सबसे गर्म रहा. जलगांव, वर्धा और अमरावती में भी पारा 45एष्ट के ऊपर दर्ज हुआ.

राजस्थान के फलोदी में तापमान 45.2एष्ट, जैसलमेर और बाड़मेर में 45.1एष्ट रिकॉर्ड हुआ. श्रीगंगानगर में 44.8एष्ट और जोधपुर में 44एष्ट पारा रहा. जयपुर, बीकानेर और नागौर में दिनभर हीटवेव जैसे हालात रहने के बाद शाम को बारिश हुई. इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली.

> मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि मानसून केरलम में 26 मई को दस्तक दे सकता है. आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल पहुंचता है, फिर देश के दूसरे हिस्सों को कवर करने के लिए उत्तर की ओर बढ़ता है पिछले साल मानसून 24 मई को आया था. 2025 में सामान्य से 8% ज्यादा बारिश हुई थी. 30 सितंबर 2025 को मौसम विभाग ने बताया था कि पूरे देश में सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश (937 .2 मिमी) दर्ज की गई. आईएमडी चीफ मृत्युंजय महापात्रा ने इसे बहुत सफल सीजन बताया था. इस साल मानसून की बारिश सामान्य से कम रह सकती है. निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर ने इस साल के मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है. इसके अनुसार, बारिश सामान्य से 6% कम रह सकती है. जून से सितंबर तक मानसून के 4 महीनों में देश में बारिश का सामान्य औसत 868 .6 मिलीमीटर है.

यूपी बना देश का ग्रोथ इंजन : योगी

- महाराजगंज पहुंचे योगी, विकास परियोजनाओं की सौगात
- 208 करोड़ परियोजनाओं से चमका महाराजगंज का विकास

लखनऊ. उत्तर प्रदेश 15 मई. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराजगंज के नौतनवा में 208 **करोड़ की 79 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया. उन्होंने उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बताते हुए डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों पर जोर दिया और विपक्ष पर निशाना साधा.**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना है. विकास की प्रक्रिया बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके व बिना झुके चलती रहेगी. 2017 के पहले प्रदेश का विकास रुका था. माफिया गरीबों की संपत्तियों पर कब्जा कर रहे थे. सपा, बसपा व कांग्रेस के शासनकाल में अयोध्या में श्रीराम मंदिर व बनारस में काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण नहीं हो पाता. यह पार्टियां कार्य में स्वयं बांधा बनी थी. इसी के चलते पश्चिम बंगाल की जनता ने भी इन्हें उखाड़ फेंका. मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ शुक्रवार नौतनवा में 208 करोड़ रुपये से अधिक की 79 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के चलते डीजल, पेट्रोल व एलपीली की सप्लाई पर व्यापक असर पड़ा है. प्रतिदिन भारत सरकार को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है.

> कहा कि इस समय विपक्ष के नाकारात्मक नेरेटिव से बचना है. हमें प्रधानमंत्री के साथ खड़े रहना है. छोटे-छोटे प्रयास कर हम डीजल व पेट्रोल के दुरुपयोग को रोक सकते हैं. उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में तेजी से विकास हो रहा है. सड़कें बेहतर हुई हैं. शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर कार्य हुए हैं. महराजगंज सहित प्रदेश के सभी जिलों में मंदिरों का भी कायाकल्प कराया गया है. पहले यह रुपया कब्रिस्तान के बाउंड्रीवाल के निर्माण के लिए खर्च किया जाता था. पूर्ववर्ती सरकारों ने स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास पर ध्यान नहीं दिया. इंसेफलाइटिस से पूर्वी उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में नौनिहाल प्रभावित होते थे. अब डलब इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश बीमारू प्रदेश नहीं रह गया है. यहां के लोगों को पहचान का संकट नहीं है.

मोदी सरकार निर्मित है देश का ईंधन संकट-खरगे

नई दिल्ली, 15 मई.कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देश में उत्पन्न ईंधन समस्या को मोदी सरकार निर्मित संकट करार दिया और कहा कि इसके लिए सरकार में बैठे लोगों में दूरदर्शिता का अभाव तथा उनकी अक्षमता जिम्मेदार है. खरगे ने शुक्रवार को यहां कहा कि देश की जनता को यह समझना होगा कि वैश्विक ईंधन संकट के साथ-साथ भारत में आर्थिक संकट की बड़ी वजह मोदी सरकार में नेतृत्व संकट, दूरदर्शी सोच का अभाव और अयोग्यता है.

उन्होंने आरोप लगाया कि इस संकट का खामियाजा जनता को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के बढ़े दामों के रूप में अपनी जेब से भुगतना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि डीजल की कीमतों में वृद्धि का महंगाई पर व्यापक प्रभाव होता है और इससे पूरे देश में महंगाई की श्रृंखलाबद्ध मार पड़ती है, जिसका असर उद्योगों, किसानों और घरेलू बजट पर होता है।कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के समय सरकार ने स्थिति को सामान्य बताने का प्रयास किया और कांग्रेस पार्टी द्वारा उठाए गए वाजिब सवालों को खारिज किया है.उनका कहना था कि रूस से तेल खरीद को लेकर मार्च में अमेरिका ने 30 दिन की छूट की अनुमति देने जैसे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया.

आज का इतिहास

1857- भारतीय राजनीतिज्ञ आर.एन. माधोलकर, जिन्होंने एक अवधि तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया का जन्म.

1902-भारतीय शिक्षाविद करमशी जेठाभाई सोमैया का जन्म.

1920-फ्रांसीसी स्वतंत्रता सेनानी, सेनापति जॉन ऑफ आर्क को संत की उपाधि दी गयी.

1943-वॉरसॉ में यहूदी बस्तियों में चल रही लड़ाई खत्म हो गई.पुलिस और कमांडो दल ने 19 अप्रैल को इन बस्तियों में प्रवेश किया था.

1960-भारत और ब्रिटेन के बीच अंतरराष्ट्रीय टेलेक्स सेवा की शुरुआत.

1974-इजरायल के लड़ाकू विमानों ने सात फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविरों और दक्षिणी लेबनान के गांवों पर बम दागे.इन हमलों में 27 लोग मारे गए और 138 अन्य घायल हुए.

नीट छात्र की आत्महत्या मामले पर सरकार से प्रियंका के सवाल

नयी दिल्ली 15 मई. लोकसभा में विपक्ष के नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लखीमपुर खीरी के छात्र ऋतिक मिश्रा की आत्महत्या को लेकर सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग की है. गांधी ने सोशल मीडिया पर कहा , अब नहीं देनी प्रतियोगी परीक्षा.. ये ऋतिक मिश्रा के आखिरी शब्द थे.

तीसरी बार नीट की तैयारी कर रहे 21 वर्षीय छात्र परीक्षा रद्द होने के बाद मानसिक रूप से टूट गए. गोवा में भी एक अन्य नीट अभ्यर्थी ने आत्महत्या की है. ये बच्चे परीक्षा से नहीं हारे, इन्हें एक भ्रष्ट तंत्र ने मारा है. यह आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा हत्या है. उन्होंने परीक्षा घोटालों के आंकड़े साझा करते हुए कहा कि वर्ष 2015 से 2026 के बीच 148 परीक्षा घोटाले सामने आए, जिनमें 87 परीक्षाएं रद्द हुईं और करीब 09 करोड़ छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ. उन्होंने आरोप लगाया कि इतने बड़े घोटालों के बावजूद केवल एक मामले में सजा हुई है. सीबीआई और ईडी की जांच के बाद भी किसी जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई. उन्होंने नीट, एआईपीएमटी और अन्य मेडिकल परीक्षाओं में 15 घोटालों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी अधिकारी या मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को कितने ऋतिक चाहिए आपकी जवाबदेही जगाने के लिए.

एक नजर में

सीबीआई ने हरियाणा के कई ठिकानों में छापे मारे

नयी दिल्ली, 15 मई. केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को हरियाणा बैंक घोटाला मामले में चंडीगढ़ और पंचकूला में कई स्थानों पर छापेमारी की है. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़े इस मामले में सरकारी धन की हेराफेरी के लिए वित्तीय रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं, जिसमें अब तक 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. गौरतलब है कि हरियाणा सरकार ने जांच के लिए यह मामला सीबीआई को सौंप दिया था. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के कुछ अधिकारियों ने हरियाणा सरकार के अलग-अलग विभागों के सरकारी कर्मचारियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी से सरकारी धन का गलत इस्तेमाल किया था. सात जगहों पर तलाशी ली गई, जिनमें रहने की जगहें, ज्वैलर्स के बिजनेस/शोरूम, गलत इस्तेमाल किए गए सरकारी धन के संदिग्ध लाभार्थियों की जगहें और जांच से जुड़ी दूसरी निजी संस्थाएं शामिल हैं. तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और सामान बरामद किए गए और उन्हें जब्त कर लिया गया. इनमें धोखाधड़ी और गलत इस्तेमाल से जुड़े वित्तीय रिकॉर्ड और डिजिटल सबूत शामिल हैं. इस मामले में अब तक 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है. सीबीआई ने कहा कि जांच में तेजी लाई गई है और कई महत्वपूर्ण सुरागों पर काम किया जा रहा है. एजेंसी ने यह भी कहा कि वह इस मामले की व्यापक जांच जल्द से जल्द पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है.

ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत

मॉस्को, 15 मई. रूस के रियाज़ान में ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए. यहां के गवर्नर पावेल मालकोव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. मालकोव ने टेलीग्राम पर कहा, 'कीव सरकार द्वारा किए गए इस आतंकवादी हमले में रियाजान की दो बहुमंजिला आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं. ड्रोन का मलबा एक औद्योगिक परिसर में भी गिरा. दुर्भाग्य से, इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए. सभी पीड़ितों को तत्काल आवश्यक सहायता प्रदान की गई.

जिनपिंग के बयान पर ट्रंप सहमत

- चीन बोला, अमेरिका पतन की तरफ बढ़ा

चीन, 15 मई. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग का यह आकलन '100 प्रतिशत सही' है कि अमेरिका पतन की ओर था लेकिन उनकी यह टिप्पणी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के संदर्भ में थी.

ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, 'जब राष्ट्रपति शी ने बड़ी शालीनता से अमेरिका को संभवत: पतन की ओर अग्रसर राष्ट्र बताया तो उनका इशारा सुस्त जो बाइडन और बाइडन प्रशासन के चार वर्षों के दौरान हमें हुए भारी नुकसान की ओर था और इस मामले में वे 100 प्रतिशत सही थे. डोनाल्ड ट्रंप चीन की यात्रा पर गए थे और दोनों देशों के बीच कई डील पर हस्ताक्षर हुए हैं. ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को 'खुली सीमाओं, उच्च करों, ट्रांसजेंडर नीति, महिलाओं के खेलों में पुरुषों की भागीदारी, विविधता-समानता-समावेश, खराब व्यापार समझौतों, बेलगाम अपराध और ऐसी ही कई अन्य चीजों से भारी नुकसान उठाना पड़ा है. अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि उनके प्रशासन के पहले 16 महीनों में अमेरिका ने 'अविश्वसनीय प्रगति' देखी है और उन्होंने रिकॉर्ड शेयर बाजारों, सैन्य सफलताओं, फिर से मजबूत होती अर्थव्यवस्था और तेजी से बढ़ते रोजगार बाजार का जिक्र किया.

सिंधिया और मजदूरों ने तोड़ी चाय पत्तियां

- मजदूरों के साथ नेपाली भाषा में संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाया

नई दिल्ली,15 मई. केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने सिक्किम प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को नामची स्थित प्रसिद्ध टेमी टी गार्डन का दौरा किया.

इस यात्रा के दौरान मंत्री का एक अलग अंदाज़ देखने को मिला, जहाँ उन्होंने राजनीति की औपचारिकताओं को पीछे छोड़ बागान में कार्यरत चाय पत्ती तोड़ने वाले श्रमिकों के साथ बागान में चाय पत्ती तोड़ते हुए कर्मचारियों से आत्मीय संवाद किया तथा उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की. सिक्किम के एकमात्र चाय बागान, टेमी टी गार्डन पहुंचे सिंधिया ने वहां कार्यरत श्रमिकों से मुलाकात की. उन्होंने न केवल उनकी कार्यप्रणाली को समझा, बल्कि स्वयं भी पारंपरिक बांस की टोकरी कंधे पर लटकाकर चाय की पत्तियां तोड़ीं. श्रमिकों के कौशल की सराहना करते हुए सिंधिया ने कहा कि सिक्किम की चाय की खुशबू आज अगर दुनिया भर में पहुंच रही है, तो इसका असली श्रेय इन श्रमिकों की वर्षों की साधना और कड़ी मेहनत को जाता है.

पटियाला जेल से भागे तीन कैदी

- दो को पुलिस ने पकड़ा ड्रग तस्करी केस में बंद थे

अमृतसर, 15 मई. सेंट्रल जेल पटियाला से तीन कैदियों के भागने का मामला सामने आया है. हालांकि पुलिस ने दो फरार कैदियों को गिरफ्तार कर लिया था. लेकिन इस अति सुरक्षित माने जाने वाली जेल से कैदियों की फरारी से जेल सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल पैदा हो रहे हैं.

जानकारी के मुताबिक, ये कैदी ड्रग तस्करी के आरोप में जेल में बंद थे. तीनों अमृतसर से जुड़े बताए जा रहे हैं. घटना की जानकारी मिलने के बाद डीआईजी जेल मौके पर पहुंचे. दूसरी ओर, पटियाला पुलिस ने इस मामले में कई जगहों पर छापेमारी की. पुलिस की ओर से दो कैदियों के पकड़े जाने की खबर है.केंद्रीय जेल पटियाला में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए हुए हैं, इसके बावजूद यह कैदी फरार होने में कामयाब हुए. जेल के मुख्य गेट पर पेस्को कंपनी के कर्मचारी तैनात हैं, जो जेल परिसर की बिल्डिंग के बाहर तक ड्यूटी देते हैं. इसके बाद जेल बिल्डिंग के अंदर जेल विभाग के कर्मचारी तैनात किए हुए हैं और जेल के टावर पर होमगार्ड के मुलाजिम तैनात है. केंद्रीय जेल में कैदी बंद रखने की क्षमता तकरीबन 1500 है लेकिन इस समय जेल में 2100 से अधिक कैदी बंद है. जेल की सुरक्षा में तकरीबन 400 कर्मचारी लगाए हुए हैं. चर्चा है कि जेल की दीवार पर लगे बिजली के तार पर अक्सर ही करंट नहीं होता था. जिस वजह से यह कैदी दीवार कूद कर भाग सकते हैं. वहीं दूसरी जगह जेल ट्रेनिंग स्कूल की तरफ वाला इलाका बताया जा रहा है जहां पर दीवारों की ऊंचाई कम है. फिलहाल उनके भागने की जगह से लेकर पकड़े जाने तक को लेकर अधिकारी जल्द ही खुलासा करने का दावा कर रहे हैं.

हीरा में विश्वास और पारदर्शिता जरूरी : गोयल

नई दिल्ली. भारत की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित किम्बर्ली प्रक्रिया अंतरसत्रीय सम्मेलन का समापन प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य, पारदर्शिता और उपभोक्ता विश्वास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा के साथ हुआ. चार दिनों तक चले इस सम्मेलन में केपी प्रतिभागियों, पर्यवेक्षकों, उद्योग हितधारकों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष ने समापन अवसर पर कहा कि भारत, प्राकृतिक हीरों को विश्वास, जिम्मेदारी और साझा समृद्धि का प्रतीक बनाए रखने में किम्बर्ली प्रक्रिया की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है. उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में देश विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास यानी 3सी को मजबूत करने के लिए सभी प्रतिभागियों और हितधारकों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने यह भी कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक बाजार में किम्बर्ली प्रक्रिया की प्रासंगिकता बनाए रखना जरूरी है. पीयूष ने कहा कि प्राकृतिक हीरा उद्योग उत्पादक, प्रसंस्करण और उपभोक्ता देशों में लाखों लोगों की आजीविका का आधार है. भारत एक ऐसे किम्बर्ली प्रक्रिया ढांचे का समर्थन करता रहेगा जो मजबूत, पारदर्शी और उद्योग तथा उपभोक्ताओं दोनों की अपेक्षाओं के अनुरूप हो.

कार्यालय नगरपालिका परिषद नरसिंहपुर, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)
(सुभाष वार्ड मेन रोड नरसिंहपुर-487001 फोन-07792-230402,233731 फेक्स-07792-233731)
पत्र क्र 470 / ई-टेण्डर/2026-27 E-Mail - cmonarsinghpur@mpurban.gov.in नरसिंहपुर दिनांक 15/05/2026

निविदा सूचना

इस कार्यालय द्वारा सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से Gem पोर्टल के माध्यम से 940 नग Speed Breaker(V2) (Q3) क्रय किये जाने हेतु ऑनलाईन Gem पोर्टल टेण्डर आई.डी. GEM/2026/B/7544955 के माध्यम से निविदाएँ आमंत्रित की गई है। निविदा की अनुमानित लागत 10 लाख रुपए है एवं निविदाकार Gem पोर्टल के माध्यम रुपएं 10000.00 की धरोहर राशि जमा कर निविदा में भाग ले सकते है। निविदा में भाग लेने की अंतिम दिनांक 05/06/2026 को समय 17 :00 बजे है। निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का का प्रकाशन ऑनलाईन Gem पोर्टल पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। निविदा दिनांक 05/06/2026 को समय 18 :30 बजे से खोली जायेगी।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद
नरसिंहपुर (म.प्र.)

MUNICIPAL COUNCIL SEONI DIST. SEONI (M.P.)

Sr. no. 1028/NP/2026 **Tender Notice** seoni, date 11/05/2026

MUNICIPAL COUNCIL SEONI DIST. SEONI invites sealed tenders under two bid systems from eligible firms/ companies for supply of manpower (Skilled, semi skilled, unskilled person) on Outsource basis at SEONI DIST. SEONI.

s. no.	tender no.	Work	PAC Amounts	Propsed no. of labour	tender doc. fees and EMD	Last date
1.	2026_UAD_506726	COLLECTION AND TRANSPORTATION OF MUNICIPAL SOLID WASTEIN THE ULB AND PROCESSING OF SOLID WASTE AT THE MATERIAL RECOVERY FACILITY (MRF) CENTER ON BUILD OPERATE AND TRANSFER (BOT) BASIS	3,69,82,224	As per Requirement	50000 185000	16/06/2026

The tender document download from our web site www.mptender.gov.in the bidder whohad downloaded the tender documents should submit on line EMD and this should beattached with the fee for EMD in the tenchnical bid of tender document. else tender document for the bid will not be accpted
The MCCB reserves the right to accept/ reject any of the tender(s) without assigning any reason whatsoeverand shall be final and binding.

MUNICIPAL COUNCIL
SEONI DIST. SEONI

प्रवास | केंद्रीय मंत्री ने जताई नाराजगी, संस्थान निदेशक से मांगा जवाब

अनुसंधान केंद्र की कई खामियां पर शिवराज हुए सख्त

पुणे/नई दिल्ली, 15 मई. देश के 80 प्रतिशत अंगूर उत्पादन वाले महाराष्ट्र में अंगूर उत्पादक किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए बने आईसीएआर के राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे का आज महाराष्ट्र प्रवास के दौरान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आकस्मिक निरीक्षण किया.

केंद्रीय कृषि मंत्री के इस औचक निरीक्षण में राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र की कई खामियां सामने आईं. मंत्री ने देखा कि वहां नर्सरी फेल है, कई वैरायटी असरदार नहीं हैं और क्लीन प्लांट सेंटर का काम भी बेहद धीमी गति से चल रहा है. इस पर उन्होंने तीखी नाराजगी जताते हुए कहा कि अंगूर किसानों के नाम पर सुस्ती बिल्कुल नहीं चलेगी. महाराष्ट्र के अंगूर उत्पादक किसानों की समस्याओं पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने संस्थान के निदेशक डॉ. कौशिक बनर्जी से जवाब मांगा. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्यों के प्रवास के दौरान आईसीएआर के अंतर्गत आने वाले संस्थानों का दौरा भी करते हैं और किसानों से सीधे संवाद करते हैं. इसी क्रम में वह आज पुणे स्थित राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र पहुंचे. संस्थान के दौरे के दौरान उन्होंने नर्सरी, किस्म विकास, रोगमुक्त पौध तैयार करने की व्यवस्था और किसानों को दिए जा रहे मार्गदर्शन की समीक्षा की. समीक्षा में कई स्तरों पर ढिलाई, सुस्ती और असंतोषजनक स्थिति सामने आई. जलवायु परिवर्तन, अधिक वर्षा, वायरस हमलों और गिरती भरोसेमंदी के बीच उन्होंने साफ कहा कि किसानों के हित से जुड़ी संस्थाएं अब केवल नाम भर से नहीं चलेंगी, बल्कि उन्हें जमीन पर परिणाम देने होंगे.